ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-09-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-09-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-09-03	2025-09-04	2025-09-05	2025-09-06	2025-09-07
वर्षा (मिमी)	65.0	22.0	5.0	6.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	30.0	32.0	33.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	25.0	26.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	80	82	86	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	60	58	58	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9	6	7	8	6
पवन दिशा (डिग्री)	110	120	130	140	150
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	6	5	5	5
चेतावनी	बहुत भारी बारिश; अत्यधिक भारी बारिश; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; बहुत भारी बारिश; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सप्ताह (26 अगस्त से 1 सितंबर) क्षेत्र में 233.2 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.5 से 34.0oC और 23.8 से 26.6oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 82-98% और 57-79% के बीच रही, जबकि हवा दक्षिण-पूर्व, पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-दक्षिण-पूर्व दिशा से 6-9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन बारिश वाले दिन थे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 5.0-65.0 मिमी की हल्की से अत्यधिक वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.0-33.0oC और 24-26oC के बीच रहने की उम्मीद है। हवा पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व-पूर्व, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पूर्व-दक्षिण दिशा से 6-9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। 2 सितंबर को आंधी/बिजली और तीव्र वर्षा के साथ बहुत भारी से अत्यंत भारी वर्षा के संबंध में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जो 3 सितंबर को भारी वर्षा और आंधी की स्थिति के साथ जारी रहेगा, जिसे नारंगी अलर्ट द्वारा दर्शाया गया है, जबकि 4, 5 और 6 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर आंधी/बिजली और तीव्र वर्षा के लिए पीला अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कुछ दिनों तक भारी से अत्यधिक भारी वर्षा होगी।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

जलभराव और कृषि गतिविधियों में व्यवधान। खेत में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए और कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम वाले दिनों में निर्धारित की जानी चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी क्रमशः मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 29.08.2025 से 04.09.2025 के दौरान अत्यधिक वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, कुछ दिनों में भारी वर्षा होने की संभावना है, इसलिए जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखा जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	फसल में अब पुष्पगुच्छ बनने शुरू हो जाएँगे, जिसके दौरान यूरिया की टॉप ड्रेसिंग के साथ-साथ खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था भी करनी होगी। जीवाणु झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देने पर, पत्तियों पर पानी से भरे धब्बे दिखाई देंगे जो धीरे-धीरे बढ़कर लंबी धारियों में बदल जाएँगे और अंततः हल्के भूरे रंग के हो जाएँगे। जीवाणु झुलसा रोग को खेत में फैलने से रोकने के लिए, खेत में जलभराव की स्थिति न रहने दें। इसके साथ ही, नाइट्रोजन का प्रयोग फिलहाल बंद कर देना चाहिए और रोग के अत्यधिक प्रकोप की स्थिति में, 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन + 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 1000 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। यह छिड़काव साफ मौसम में करें और तेज़ हवाओं में न करें। ई. टी. एल. से ऊपर तना छेदक दिखाई देने पर, क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 20 एससी 150 मिली प्रति हेक्टेयर या फिप्रोनिल 5 एससी 1.0 लीटर या 600 ग्राम कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्लू पी या 2.5 लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी को 500-600 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। सामान्य कीट यानी ब्राउन प्लांट हॉपर दिखाई देने पर किसानों को ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम 10 एससी 235 मिली की दर से/ फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली की दर से/ बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर की दर से/ थियामेथोक्सम 25 डब्लू एस जी 100 ग्राम को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास किया जाना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन का उपयोग किया जाना चाहिए, भारी संक्रमण की स्थिति में ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम का छिड़काव करें। सभी छिड़काव साफ मौसम की स्थिति में किए जाने चाहिए तथा तेज हवा वाले दिनों में इन छिड़काव से बचना चाहिए।
गन्ना	लाल सड़न रोग के सबसे आम लक्षण मानसून के बाद दिखाई देते हैं और कटाई तक बने रहते हैं। इसके लिए किसानों को अपने खेतों को साफ-सुथरा रखना चाहिए। रोगग्रस्त गन्नों को जड़ से उखाड़कर जला देना चाहिए ताकि आगे प्रसार न हो। रोगग्रस्त गन्नों को पूरी तरह नष्ट करना और उपचारित बीजों का उपयोग सर्वोत्तम निवारक उपाय हैं। आवश्यकतानुसार, दो पंक्तियों के तीन डंठलों को आपस में बाँध देना चाहिए (कैंची से बाँधना)। सफेद ग्रब के संक्रमण की स्थिति में, फिप्रोनिल 40 प्रतिशत और इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्ल्यूजी 200 ग्राम प्रति एकड़ को 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में डालना चाहिए। सभी रसायनों का छिड़काव साफ मौसम में ही करना चाहिए और तेज हवाओं में छिड़काव से बचना चाहिए।
मक्का	जैसे ही भुट्टों में बीज भरने लगें, मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखें और भारी वर्षा की स्थिति में, खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। कीटों का प्रकोप दिखाई देने पर उचित कृषि उपाय करें। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वॉर्म के आक्रमण की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी 0.4 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। ब्लाइट (पीले या भूरे रंग के अंडे के आकार के धब्बे) दिखाई देने पर मैंकोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्ल्यूपी 1.5-2.0 किग्रा 750-800 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर करें। रासायनिक छिड़काव साफ़ मौसम में करें और तेज़ हवाओं में न करें।
काला चना	अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य किया जाना चाहिए और मिट्टी में नमी बनाए रखी जानी चाहिए। भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँग	अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य किया जाना चाहिए और मिट्टी में नमी बनाए रखी जानी चाहिए। भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
सोया बीन	फलियाँ बनते समय खेत में मिट्टी की नमी बनाए रखनी चाहिए तथा भारी वर्षा की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए।
मूँगफली	टिक्का रोग का उपचार क्लोरोथेनोनिल 2 किग्रा/ मैन्कोज़ेब 80% 2 किग्रा/ प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी 500 मिली को 800 से 1000 लीटर प्रति हेक्टेयर में घोलकर 10-12 दिनों के अंतराल पर किया जा सकता है। छिड़काव साफ़ मौसम वाले दिनों में करें और तेज़ हवाओं में छिड़काव से बचें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	मिर्च की फसल की ऊपरी टहनियाँ सूखने पर और काली पड़ने पर, फसल को बचाने के लिए संक्रमित शाखाओं को तोड़कर हटा देना चाहिए। फसल को सड़ने से बचाने के लिए, हल्की वर्षा की स्थिति में 0.1% कार्बेन्डाजिम घोल का छिड़काव करें। भारी वर्षा और तेज़ हवाओं में इस छिड़काव से बचना चाहिए। जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
गोभी	इस महीने में फूलगोभी, पत्तागोभी और नोल-खोल की पछेती किस्मों की रोपाई की जा सकती है और यह तब किया जाना चाहिए जब पौधे 4-6 सप्ताह के हो जाएँ या उनमें 4-6 पत्ते आ जाएँ। रोपाई का कार्य हल्की वर्षा की स्थिति में किया जाना चाहिए और तेज़ हवाओं से नुकसान से बचने के लिए सुरक्षा जाल का उपयोग किया जाना चाहिए। खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
मूली	इस महीने में मूली की यूरोपीय किस्में, गाजर की एशियाई और यूरोपीय किस्में, शलजम की किस्में और चुकंदर की किस्में बोई जा सकती हैं। बुवाई साफ़ मौसम में की जा सकती है और खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था होनी चाहिए।
पपीता	पपीते में कॉलर रॉट रोग होने पर, मेटालैक्सिल + मैन्कोज़ेब (रिडोमिल गोल्ड) 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव बहुत प्रभावी पाया गया है। छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर दोहराया जा सकता है। सभी रासायनिक छिड़काव साफ़ मौसम में ही करें और छिड़काव तेज़ हवाओं में करने से बचें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछड़ियों का दूध छह महीने के बाद ही छुड़ाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे से हो सके। भारी वर्षा की स्थिति में उन्हें उचित गर्मी और भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए तथा गौशाला में साफ-सफाई का ध्यान रखा जाना चाहिए।
भेंस	'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोकर रखना चाहिए। भारी वर्षा की स्थिति में, उचित गर्मी और भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए और शेड में साफ़-सफ़ाई बनाए रखी जानी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

जलभराव और नियमित कृषि गतिविधियों में व्यवधान।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

उचित जल निकासी की व्यवस्था करें और रासायनिक छिड़काव तथा निराई-गुड़ाई जैसी नियमित कृषि गतिविधियां तेज हवाओं के बिना साफ मौसम में की जानी चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ⁄Mausam⁄ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details